402"

अ म क्यांती (समान संघी, म्बलीचे संस्कृण व सं-भं स्कृताम) अधिनयम १९९५ शुक्ता आक्रमार्थी शासन संगत सुवीग्म पदांचा गोध

ध्यानासः राजसम्बद्धाः पुरुषे वन

प्लासक् आन्त

सामा । क न्याद, सास्कृतिक करने व विशेष स्टाप्प विषया, शामन । वेपायः क्षायाः - अध्या- २००४ ३-क ५,४५/सूथ र-५, वंशाया विश्वार प्यान, सूंचई ४०० ०३२, विशायः - २५ विशेषर २००४

शासा :- १) शासन निर्णः। तामान्य प्रशास्त्र विषयम्, सः एव आस्त्रते-५१०९८/६ ता.१४/५८/१६-सः, दियांका २०८८१९८:-

२) भारत प्रतिप्र एक, सामाजिक न्यान सां-कृति । व र्यं जोड । जिस्प शासय विष्णा, समाज-अपोप-२०१ जोताह २०१८/स्थार ३, विश्वाप ५ ८ २००२

शासन परिपत्रकः :- तंत्रातल काराज्ञन कार कराईड पा बंग्यों का तुक्त जावलकाव्य दाखाल वंत्रवेल्या करित पाधिका कर २९/०३ क्या संदर्भत का तका व्याकलान दिना वा नादेशानुसा। वा करिपत्रकाक्षन्यमें तक्ष सक्तिनिध्या स्थापनंश्रावत सध्या अस्तितव्यात । त्रानेक सर्व साधाः निक प / पा पत्रके अधिवादिक्ष करण्यात वंत असून शासन संवेत अपनासा है मुद्दांच्य पदाधा लोग के व्यानकारेता स्थापन वात्रका सालेका रहा समितीची नव्याने पूर्ण वक्ष प्रत्याता वंत आहे व त्यानुसार या जा समितीची स्थापन खालकार का मानिक / अशासाकी स्थाप रहातील :-

\$400 all 120 straighter all the state of contract mentioners	NAME AND DESCRIPTION OF THE PERSON OF THE PE
र) प्रश्न संचय (सम्बद्धित स्व च)	- BREAT
२) सो एक, विकी व न्याय विकास	- महिल
 अ दृश्य, अर्थन कल्याच,नक्रमण्ड् सन्य,पुने 	- सदस्य
४) हर स्वीचन साथा व प्रकासन 'जन्मम	- सहस्य
५) अराज्याता, इंट बॉडकान को नेश मुंह र	- सदाय
६) विभाग प्रमुख (नग), ग्रेंट मेरिक अन् वर्ग नेव्य, भूवर	- परम्पान
 (a) विकास प्रमुख (कर्मकार)में। मंदिक न मालेक, पूर्वा 	- स्टब्स
८) वि तम् प्रवास (इ.स्वच्यः) है । में अ व स्टाम्स मुंबई	- स्वद्या
५) विश्वत प्रमुख (क्लेक्स्ट्र)में इ श्रीक्षण्यन वर्तेन्त्र, तुमई	= सर्दस्य
९०) श्री राजेंद्र जासा, नेशनात आनीत्रागान आंग प्राप्ति. चार्क, युनई (किया संस्थेच अमिनिगी)	- आराय
११) हो अधानो संख्य नकर्तरत्नात इन्स्टिन रथूट आग्रह फिलीकल भी। सिन्दातानी जानी मुंबा (उत्तासक य संगतिन वैद्यकीय व्या सार्थिक)	- शहान्य
१२) हो। वसंत संख्, कासन्यापक र स्थानक, यहाराष्ट्र राज्य अस्य विस व किसास स्थाम इ.स. १ वर्ग व विस्थान प्रतिनि	- सदस्य भो)
१५) श्रं प्रधु जोशो, कायदेशीर साल्वागान, शेंटुन वेक आस इोड्या,गेंग्यास, मुंबई (अथ डोसनिया)	- सहस्र

वरील मिन्दिने भटन । वेन मेहन् का प्राप्त र किन्दि केन्द्र र किन्द्रिक प्राप्त विभाग है करने पर्ताति । ही संपत्ती सन्धानिक न्याय विभा क्रेस्ट्रेन सहीत

र स्थितिमें राष्ट्रक्ष्य आनाम्याजीन - प्राप्त माना माना प्राप्त । का रूपीयत विधानि श्रीधन थाउँ । चैठकंत्रसाठी आर्थितत कर शक्ते न

भूत पुरुष र का पद्मां का अनुवार जा स्वासान.

(वि. इ. आटबसे) तकर मधिल, बालाम्द्र शासन

प्राप्त ।-मक्यपानाचे महत्रव, प्राथमधार्थ प्रधान संभित्र, प्रमृ ह्यमंत्रकात साधक. न्यव संविध, सर्व अध्य मुख्य अभिन्त / क्रमूल अभिन्त / उद्देशित सह प्रतिब / उप प्रतिब (आस्थान्या), वर्ष प्रीतक्षाीठ विभाग उप श्रीवद, सामान्य प्रशासन विष्या (भाग किया), प्रशास गुण्ड ^क प्रमंत्रक, रूप्ता न्यारराज्य, मूळं अस्य सारात, पुंची, 🕈 प्रमंत्रक, राज्य न्यायास्त्रया, अर्थ न शामा, स्वरं, प्रवक्क, महाराष्ट्र प्रशासकीय प्रशास करते, मृंबई... ^क प्रमाणक, स्तेकका पुरुष म उस*े का* अध्यक्त सुन्हें ⁹ मानिक, पहाराज्य लोकजीता हा रहा, मुन्हे, प्रविद्य, महाराष्ट्र विश्वनकार्थ - विश्वास्था, विश्वास वर्गा, पूर्व, संबंध, राज्य स्वाहणक आयाप वृष्टे. लेक्द्रभार, महोत्रक्तिन असंसदाके हो त्यान्त्रभाषा, पासदार, कार्य-र्रोगार-१५, सारीक सेवर संचानः। ३८, वृक्षा अध्यक्ष, अपम श्रहतान, पहारात नामा, पूर, श्रीवा का व श्रेमान हो। बाद र १ विषय असी अवस्थात व

* RID ..